

[Time: 2 Hours]

[Marks:60]

Please check whether you have got the right question paper.

- N.B:
1. Answer **any five** question from Q1 to Q8 and Q9 is compulsory.
 2. Marks are indicated against each question.
 3. Students answering in regional languages should refer of doubt to the main text of paper in English.

- Q.1 Elucidate the objectives of teaching Commerce at Higher Secondary level. (10)
- Q.2 “Principles of teaching help the teacher to make teaching of Commerce interesting and effective.” Elaborate with reference to the principles of teaching Commerce. (10)
- Q.3 “Project method needs to be used more in the teaching of Commerce.” Justify. State its advantages and limitations. (10)
- Q.4 “Co-operative learning strategies are utmost significant in teaching of Commerce.” Explain with reference to any two co-operative learning strategies in the teaching of Commerce. (10)
- Q.5 Elucidate the importance and organization of Commerce club. (10)
- Q.6 Explain the measures to bring about the professional growth of a Commerce teacher. (10)
- Q.7 “A Commerce teacher faces a lot of challenges in meeting the changing requirements of teaching Commerce.” Justify. (10)
- Q.8 Explain the meaning of academic disciplines and its relationship with Commerce. (10)
- Q.9 Attempt **any two** of the following. (10)
- a. Importance of correlation in Commerce
 - b. Any five internal characteristics of Commerce textbook
 - c. Meaning and nature of Commerce education
 - d. Classification of academic disciplines according to Bechar Biglan typology

मराठी रुपांतर

[वेळ: २ तास]

[गुण: ६०]

- प्र.१ उच्च माध्यमिक स्तरावर वाणिज्य अध्यापनाची उद्दिष्ट विशद करा. (१०)
- प्र.२ “अध्यापनाची तत्त्वे शिक्षकाला वाणिज्यशास्त्राचे अध्यापन रुचिपूर्ण व प्रभावी करण्यास मदत करतात.” (१०)
वाणिज्यशास्त्र अध्यापनाचे तत्त्वांच्या संदर्भात सविस्तर लिहा.
- प्र.३ “वाणिज्याच्या शिक्षणात प्रकल्पाची पद्धत अधिक वापरली जाणे आवश्यक आहे.” समायोजित करा. त्याचे फायदे (१०)
आणि मर्यादा लिहा.
- प्र.४ “वाणिज्य शिक्षणात सहकारी शिक्षण पद्धति अत्यंत महत्त्वाचे आहे.” वाणिज्य शिक्षणात कोणत्याही दोन सहकारी (१०)
पद्धतिच्या संदर्भात स्पष्ट करा.
- प्र.५ वाणिज्य मंडळचे महत्त्व आणि आयोजन स्पष्ट करा. (१०)
- प्र.६ वाणिज्य शिक्षकांच्या व्यावसायिक वाढीसाठी उपाययोजना स्पष्ट करा. (१०)
- प्र.७ “वाणिज्यशास्त्र शिकवण्याच्या बदलत्या गरजा पूर्ण करण्यासाठी वाणिज्यशास्त्र शिक्षकांना अनेक आव्हानांना तोंड (१०)
द्यावे लागते.” विशद करा.
- प्र.८ शैक्षणिक विद्या शाकाचे अर्थ सांगा आणि वाणिज्यांशी त्याचा संबंध लिहा. (१०)
- प्र.९ खालीलपैकी कोणत्याही दोन वर संक्षिप्त मध्ये लिहा. (१०)
अ) वाणिज्यात सहसंबंधाचे महत्त्व
ब) वाणिज्य पाठ्यपुस्तकातील कोणत्याही पाच अंतर्गत वैशिष्ट्ये
क) वाणिज्य शिक्षणाचे अर्थ आणि स्वरूप
ड) बेकर बिग्लन नुसार शैक्षणिक विद्याशाखांचे वर्गीकरण

हिंदी रुपांतर

[समय: २ घंटे]

[अंक: ६०]

- प्र.१ उच्च माध्यमिक स्तरा पर वाणिज्य अध्यापन के उद्देश्य विशद करे। (१०)
- प्र.२ “वाणिज्यशास्त्र अध्यापन के सिद्धांत शिक्षक को वाणिज्यशास्त्र रुचिपूर्ण और प्रभावी बनाने में सहायता करते है।” (१०)
वाणिज्यशास्त्र अध्यापन के सिद्धांतों के संदर्भ में विस्तार से लिखिए।
- प्र.३ “प्रकल्प पद्धति को वाणिज्य के शिक्षण में अधिक इस्तेमाल करने की आवश्यकता है।” समर्थन कीजिए। उसके (१०)
फायदे और सीमाएं लिखिए।
- प्र.४ “वाणिज्य अध्यापन में सहकारी शिक्षा पद्धति अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।” वाणिज्य शिक्षा में किसी भी दो सहकारी (१०)
पद्धतियों के संदर्भ में लिखिए।
- प्र.५ वाणिज्य मंडल के महत्त्व और संगठन को स्पष्ट कीजिए। (१०)
- प्र.६ वाणिज्य शिक्षक के व्यावसायिक विकास लाने के उपायों को स्पष्ट कीजिए। (१०)
- प्र.७ “एक वाणिज्य शिक्षक, वाणिज्य शिक्षा की बदलती जरूरतों को पूरा करने में बहुत अधिक चुनौतियों का सामना (१०)
करते है।” समर्थन कीजिए।
- प्र.८ विद्या शाखा विषयों का अर्थ और वाणिज्य के साथ इसका संबंध बताएँ। (१०)
- प्र.९ निम्नलिखित में किन्ही दो पर लिखे। (१०)
अ) वाणिज्य में सहसंबंध का महत्त्व।
ब) वाणिज्य पाठ्यपुस्तक की कोई भी दो पाँच आंतरिक विशेषताएँ।
क) वाणिज्य शिक्षा का अर्थ और स्वरूप।
ड) बेकर बिग्लन के अनुसार शैक्षिक विद्या शाखा का वर्गीकरण।
